

डॉ. रॉबर्ट यारब्रॉ, पास्टोरल एपिस्टल्स, सत्र 11, 2 तीमुथियुस 4

© 2024 रॉबर्ट यारब्रॉ और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट डब्ल्यू. यारब्रॉ हैं, जो देहाती धर्मपत्रों, देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए अपोस्टोलिक निर्देश, सत्र 11, 2 टिमोथी 4 पर अपने शिक्षण में हैं।

देहाती पत्रियों का हमारा अध्ययन जारी है और हम 1 तीमुथियुस, 2 तीमुथियुस, तीतुस, कॉर्पस की गहराई में उतरते जा रहे हैं। अब हम 2 टिमोथी 4 पर हैं और हम एक चालू शुरुआत करना चाहते हैं क्योंकि यह टिमोथी को अंतिम चार्ज के बीच में है, एनआईवी में शीर्षकों के अनुसार 2 टिमोथी में टिमोथी को अंतिम चार्ज। अंतिम शुल्क 310 से शुरू होता है और फिर यह अध्याय 4 श्लोक 8 तक जाता है, जिस बिंदु पर हमें व्यक्तिगत टिप्पणियाँ और फिर अंतिम शुभकामनाएँ मिलती हैं।

और 2 तीमुथियुस के आरंभिक अभिवादन के बाद इस तक आगे बढ़ते हुए हमें एक धन्यवाद मिला है और हमें सुसमाचार में पॉल के प्रति वफादारी के लिए एक अपील मिली है। हमारे पास बेवफाई और वफादारी के उदाहरण हैं, अपील नवीनीकृत हुई, और फिर झूठे शिक्षकों से निपटने वाला एक लंबा खंड है। इसलिए, हमने 1 टिमोथी की विशेषता वाले पैटर्न और भाषा और मुद्दों की बहुत सारी प्रतिध्वनियाँ देखी हैं, लेकिन मुख्य अंतर यह है कि 2 में टिमोथी पॉल जानता है कि वह मरने के बहुत करीब है। और इसलिए, 2 तीमुथियुस में करुणा का थोड़ा अधिक स्वर हो सकता है क्योंकि पॉल को लगता है कि वह घटनास्थल से गुजर रहा है। मैं इसे हताशा नहीं कहूंगा, मुझे नहीं लगता कि वह हताश है, लेकिन मुझे लगता है कि वह चिंतित है कि तीमुथियुस उतना ही मजबूत हो जितना अनुग्रह उसे उस परिवर्तन के लिए बना सकता है जो तब होने वाला है जब पॉल को भगवान की उपस्थिति में और विशेष रूप से पदोन्नत किया जाएगा क्योंकि जैसा उस ने 2 तीमुथियुस के पिछले भाग में कहा है, एशिया में सब लोगों ने मुझे त्याग दिया है। और इसलिए, जैसे सुसमाचार के मंत्रालय में तीमुथियुस का विरोध हो रहा है, वैसे ही उसका पतन हो रहा है। लोगों का एक निश्चित दलबदल हुआ है जिसके बारे में पॉल को पता है और यह एक अनुस्मारक है कि चर्च के पूरे इतिहास में, चर्च का दरवाजा घूम रहा है और ऐसे लोग हैं जो अंदर आते हैं और वे अंदर रहते हैं और फिर ऐसे लोग होते हैं जो अंदर आते हैं और फिर वे वापस बाहर चले जाते हैं। यह मंत्रालय के यथार्थवाद का हिस्सा है जिसे हम देहाती पत्रों में परिलक्षित देखते हैं।

तो, 2 तीमुथियुस 4 में, इस अंतिम आरोप को जारी रखते हुए हम तीमुथियुस के लिए इस गंभीर घोषणा के साथ शुरू करते हैं जो तुरंत कुछ अनिवार्यताओं की ओर ले जाती है और बस एक अनुस्मारक है कि स्क्रीन पर पीला रंग भगवान के लिए शब्द, शीर्षक, उचित नाम, भगवान है, क्राइस्ट, जीसस, प्रभु और लाल अनिवार्य होंगे। ईश्वर और मसीह यीशु की उपस्थिति में, जो जीवितों और मृतकों का न्याय करेगा और उसके प्रकट होने को ध्यान में रखते हुए, वह उसकी वापसी है, और उसका राज्य जो उसका वर्तमान शासन होगा और उसका शाश्वत शासन भी होगा, जो आगे बढ़ेगा। जब वह वापस आता है। मैं तुम्हें यह प्रभार देता हूँ।

और 2 तीमुथियुस और अब 1 तीमुथियुस में हमने कितनी बार यह शब्द सुना है, यह शब्द आरोप दिया गया है? खैर, यहाँ एक और घटना है, और यहाँ, यहाँ आरोप है। वचन का प्रचार करो और फिर वह उसे तोड़ देता है। तैयार रहें, तैयार रहें, मौसम में और मौसम के बाहर।

पवित्र सप्ताह या आगमन जैसे समय होते हैं, हम इस शब्द का खूब प्रचार करने की उम्मीद करते हैं। लेकिन कई बार ऐसा भी होता है जब यह इतना उपयुक्त नहीं लगता। शायद यह प्राप्त नहीं हो रहा है, शायद यह एक ऐसी सेटिंग है जिसमें हम आश्चर्यचकित हो सकते हैं कि क्या मुझे वास्तव में इस प्रतिकूल सेटिंग या इस उदासीन सेटिंग में गवाह बनने की कोशिश करनी चाहिए।

और वह कहते हैं, जहां भी आपको उन उपहारों का उपयोग करके मसीह की गवाही देने का अवसर मिलता है जो भगवान ने आपको दिए हैं और जो बुलावा उन्होंने आपको दिया है, तैयार रहें, तैयार रहें, सही करें, डांटें और प्रोत्साहित करें। अब, वह उसे यह बता रहा है, विशेष रूप से एक पादरी के रूप में, बड़े धैर्य और सावधानीपूर्वक निर्देश के साथ। तो, आप देख सकते हैं, इन उपदेशों में आप पादरी नेतृत्व के उन दो ध्रुवों को देख सकते हैं जिनका मैं उल्लेख करता रहता हूँ और मुझे लगता है कि वे बहुत महत्वपूर्ण हैं।

निर्देश और निरीक्षण, सुधार करना, डांटना, धैर्य के साथ प्रोत्साहित करना। इसका तात्पर्य व्यक्तिगत बातचीत से है।

आप केवल जनता को उपदेश नहीं दे रहे हैं, बल्कि एक पद पर रहते हुए, समय के साथ, लोगों की प्रगति के बारे में जागरूक हो रहे हैं और लोगों के साथ संबंध स्थापित कर रहे हैं ताकि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, आप सुनिश्चित हो सकें कि लोगों को प्रोत्साहन मिल रहा है। विकसित करने के लिए। यदि आपके पास एक बहुत बड़ी मंडली है, तो आप हर किसी को एक ही तरह से प्रोत्साहित नहीं कर सकते हैं, लेकिन सावधानीपूर्वक प्रबंधन द्वारा, आप प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से, विशेष रूप से धर्मपरायण महिलाओं, अन्य महिलाओं और उनके बच्चों और प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से यह सुनिश्चित कर सकते हैं पुरुषों के माध्यम से, उन पुरुषों तक जिन तक शायद आप इतनी आसानी से नहीं पहुंच सकते। लेकिन आपके पास ऐसे लोग हो सकते हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, बड़े धैर्य और सावधानीपूर्वक निर्देश के साथ, आप एक मंत्री बन सकते हैं जो उनके लिए वचन की सेवा करता है ताकि उस वचन के माध्यम से। निःसंदेह यह परमेश्वर का वचन है, फिर उन्हें परमेश्वर द्वारा सुधारा जाता है, डांटा जाता है और प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि यह उसका वचन है, और पवित्र आत्मा वचन देता है और वचन के माध्यम से कार्य करता है। अब, वह उन्हें क्यों उपदेश देता है? वह उसे इतनी गंभीरता से क्यों समझाता है? मसीह यीशु में परमेश्वर की उपस्थिति में, और जीवितों और मृतकों का न्याय करते हुए, यहाँ जोखिम इतने ऊंचे क्यों हैं? खैर, वह उस समय की प्रकृति पर वापस आता है जिसमें हम रहते हैं।

वह समय आएगा जब लोग खरा उपदेश नहीं देंगे। लोगों के दूर गिरने के अपने कुछ अवलोकनों से वह साजिश भी रच सकता है। वह 20, 30, 40 और 50 के दशक में सेवा करते रहे हैं, और अब वह 60 के दशक में हैं, और उन्होंने सोचा होगा, रोमन दुनिया भर में सुसमाचार का विस्तार होगा, फिर हर कोई मसीह के पास आएगा।

मेरा मतलब है, सिद्धांत रूप में, ईश्वर ऐसा कर सकता है, लेकिन वह जो खोज रहा है वह यह है कि इसका विरोध हुआ है, और यहाँ तक कि पुनरावृत्ति भी हुई है। और इसलिए, वे कहते हैं, लोग सही शिक्षा या सिद्धांत को स्वीकार नहीं करेंगे। इसके बजाय, अपनी इच्छाओं के अनुरूप, वे अपने आस-पास बड़ी संख्या में शिक्षकों को इकट्ठा करेंगे ताकि वे कह सकें कि उनके खुजली वाले कान क्या सुनना चाहते हैं।

और यह हमारी आज की दुनिया के लिए बहुत ही भविष्यसूचक है, जहां, जब हम यात्रा करते हैं, तो सच्चा चर्च अक्सर उन समूहों के साथ प्रतिस्पर्धा में होता है जो खुद को चर्च कहते हैं, और वे आवश्यक रूप से शिक्षण नहीं दे रहे हैं, त्रिनेत्रीय, मसीह-सम्मानित सुसमाचार प्रस्तुति प्रकार के सिद्धांत, और जब उन चीजों की बात आती है जिन्हें करने के लिए वे लोगों से आह्वान कर रहे हैं, या यह स्वास्थ्य और धन हो सकता है, या यह राजनीतिक हो सकता है, या यह किसी अन्य तरीके से भ्रष्ट हो सकता है, तो वे मुश्किल में पड़ सकते हैं। हो सकता है कि यह केवल नियमों का एक समूह बनाए रखना हो, और यह कुछ ऐसा हो सकता है जो किसी भी अन्य चीज़ से अधिक पादरी के अहंकार को बढ़ावा देता है। लेकिन लोग इसी से संतुष्ट हो सकते हैं।

वे सच्चाई से कान फेर लेंगे और मिथ्या बातों पर ध्यान देंगे। लेकिन आप, सभी स्थितियों में अपना दिमाग बनाए रखें। कठिनाई में दृढ़ रहना।

एक प्रचारक का काम करना अंग्रेजी में लगभग वैसा ही लगता है, जैसे पादरी बनने के अलावा कुछ और करना। लेकिन मुझे लगता है कि वह यहां जो कह रहे हैं वह यह नहीं है, सुनिश्चित करें कि आप बाहर जाएं और कुछ प्रचार सभाओं का प्रचार करें। मुझे लगता है कि वह कह रहे हैं कि देहाती कार्य अपने मूल में सुसमाचार की अच्छी खबरों को निरंतर प्रकट करना है।

और आप इसे विभिन्न अनुप्रयोगों में तैनात कर सकते हैं। इसका संबंध विवाह से हो सकता है, या इसका संबंध काम से हो सकता है, या इसका संबंध उचित मोक्ष से हो सकता है, या इसका संबंध बच्चे के पालन-पोषण से हो सकता है। लेकिन आप जो कुछ भी कर रहे हैं, आप मसीह की खुशखबरी के अग्रदूत हैं।

हम प्रभु मसीह के मूल संदेश, उनकी दिव्यता, उनके सूली पर चढ़ने, उनके स्वर्गारोहण, उनके पुनरुत्थान, हमारे लिए उनकी निरंतर मध्यस्थता से आगे नहीं बढ़ते हैं। एक शुभ समाचार प्रवर्तक बनने का कार्य करें। अपने मंत्रालय के सभी कर्तव्यों का निर्वहन करें।

मत कहो, मैं कोई विस्तृत व्यक्ति नहीं हूं, और फिर बहुत सी चीजों को खिसकने दो जो वास्तव में आपकी जिम्मेदारी हैं। सुनिश्चित करें कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, सभी चीजें, सभी डायकोनिया, मंत्रालय जिनके लिए भगवान ने आपको जिम्मेदार होने के लिए बुलाया है, सुनिश्चित करें कि आप उस बुलाहट और उन कर्तव्यों के साथ न्याय कर रहे हैं। अब, पॉल इस सब को इतने पूर्ण और नाटकीय तरीके से क्यों उजागर करेगा? और वह दूसरे तीमुथियुस के दौरान पहले ही ऐसा कर चुका है।

और यहाँ क्यों है. क्योंकि मैं पेय भेंट की नाई उंडेला जा रहा हूँ। और बुतपरस्त धर्मों में, आप तर्पण कर सकते हैं, उन्होंने इसे कहा।

शराब को पत्थर पर या कप या किसी चीज़ में डालें। और छवि आपके जीवन के बलिदान और आपकी भलाई की है। मैं पेय की नाई उंडेला जाता हूँ, और मेरे प्रस्थान का समय निकट है।

अब वह स्पष्ट हो रहा है। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं मरने वाला हूँ। मैंने अच्छी लड़ाई लड़ी है.

मैंने दौड़ पूरी कर ली है. मैंने विश्वास कायम रखा. अब मेरे लिये धर्म का वह मुकुट रखा है, जिसे प्रभु, जो धर्मी न्यायी है, उस दिन मुझे देगा।

और न केवल मेरे लिए, बल्कि उन सभी के लिए भी जो उसके प्रकट होने की लालसा रखते हैं। तो जैसे पुराने नियम के संत मसीहा के प्रकट होने की प्रतीक्षा कर रहे थे, उन्होंने सोचा कि जब वह आएगा, तो आने वाला युग आ जाएगा। और यह आ गया.

और विशेष रूप से, यीशु के पुनरुत्थान के साथ, यह आ गया। लेकिन उन्होंने यह नहीं देखा कि पहले आगमन और मसीहा के परमेश्वर के दाहिने हाथ पर आरोहण के बीच एक अंतरिम अवधि होगी, और दूसरा आगमन अंततः अपना शाश्वत शासन स्थापित करेगा। और वह मसीहा के वादे को पूरा करने की लालसा कर रहा है, जो शुरू में यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान में पूरा हुआ था।

और यह पर्याप्त है, और यह आदम और हव्वा से लेकर अंतिम व्यक्ति के बचाए जाने तक सभी संतों के उद्धार के लिए केंद्रीय है। ईसा मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान. वह ब्रह्मांड में ईश्वर के उद्धारकारी कार्य का केंद्र बिंदु है।

लेकिन आने वाले युग के पूरी तरह से आरंभ होने और परमेश्वर के लोगों को उनके महिमामय शरीर प्राप्त होने और आने वाले युग का जो भी रूप हो, उसके संदर्भ में यह अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है। और बहुत विवाद है. क्या यह इस दुनिया, पृथ्वी पर होने वाला है? क्या यह एक परिवर्तित दुनिया में होने जा रहा है? क्या यह एक ऐसे उत्कृष्ट क्षेत्र में होने जा रहा है जिसकी हम वास्तव में कल्पना भी नहीं कर सकते? क्या यह बिल्कुल एक क्षेत्र बनने जा रहा है? क्या यह किसी प्रकार का महिमामंडन होने जा रहा है, हम इसे ईश्वर का एक सुंदर दर्शन कहते हैं, जिसमें हम ईश्वर को अनंत काल तक देखेंगे, और यह गौरवशाली, आनंदमय, व्यक्तिगत और सांप्रदायिक होगा, और यह कल्पना से परे पूर्णता होगी .

आने वाला युग कैसा होगा, इन विभिन्न दृष्टिकोणों पर किताबें लिखी गई हैं, लेकिन आने वाले युग का पुरस्कार उन लोगों के लिए है जिन्होंने उसके प्रकट होने की लालसा की है और उस लालसा के अनुसार अपना जीवन जी रहे हैं। बाइबल हमें ईश्वर से प्रेम करना सिखाती है, लेकिन ईश्वर का प्रेम जिन चीज़ों को प्रबल करता है उनमें से एक यह है कि हमारे पास अभी तक ईश्वर पूरी तरह से नहीं है। हमारे प्यार का एक हिस्सा अधूरा है, ऐसा नहीं है कि इसे वापस नहीं किया जाता है, लेकिन यह पूरा नहीं होता है क्योंकि हमें अभी तक अपने प्रिय पर पूरा कब्ज़ा नहीं है।

और हमारा प्रिय, जबकि वह हमें जिस ओर खींच रहा है उसके संदर्भ में उसका हम पर पूर्ण अधिकार है, हम अभी तक उस गंतव्य बिंदु पर नहीं पहुंचे हैं। तो यह पॉल की सलाह की करुणा को स्पष्ट करता है, कि वह किनारा देख सकता है, सुरंग के अंत में प्रकाश, अनंत काल का प्रकाश। हम यहां तीमुथियुस की उच्च बुलाहट को देखते हैं, उसकी पहली तीमुथियुस 2:12 बुलाहट, प्रोत्साहन के लिए देहाती मंत्रालय के दो ध्रुव, निर्देश, शिक्षण और देहाती निरीक्षण। और मैंने उस पर गौर किया है।

दूसरे, हम देखते हैं कि वफादार मंत्रालय के विरोध की उम्मीद की जा सकती है। वह 3:4 में वापस आ गया है। ऐसा समय आएगा जब लोग इसे सहन नहीं करेंगे, वे अपने कान फेर लेंगे, और वे सत्य के बजाय असत्य सुनना पसंद करेंगे।

हालाँकि, सुसमाचार की कृपा, प्रेरितिक निर्देश को पूरा करने में सक्षम बनाती है। सुसमाचार में ईश्वर की कृपा जो तीमुथियुस को मिलती है, वह उसे सभी परिस्थितियों में अपना सिर स्थिर रखने में सक्षम बनाएगी, भ्रमित नहीं होगी, हतोत्साहित नहीं होगी, गलत दिशा में नहीं जाएगी, बल्कि स्थिर रहेगी ताकि वह सहन कर सके, ताकि वह खुशखबरी का अग्रदूत बन सके ताकि वह उन कर्तव्यों की पूरी श्रृंखला को पूरा कर सके जो उसके विशेष देहाती कार्यालय ने उस पर लगाए हैं। इसके बाद एनआईवी को यहां विराम नजर आता है और वे व्यक्तिगत टिप्पणियों की ओर बढ़ जाते हैं।

अब जो टिप्पणियाँ हमने अभी सुनी हैं वे मुझे बहुत व्यक्तिगत लगती हैं, लेकिन ये तीमुथियुस के लिए और भी अधिक व्यक्तिगत हैं और उनके सुसमाचार मंत्रालय से कम संबंधित हैं। अक्सर जब पुरुषों को सुसमाचार मंत्रालय के लिए नियुक्त किया जाता है, तो उन्हें एक प्रभार प्राप्त होगा, इसे कहा जाता है, और कोई व्यक्ति उपदेश देगा या कोई उनके उपदेश के अवसर पर उन्हें उस चुनौती को चिह्नित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा जिसे वे स्वीकार कर रहे हैं और उन्हें इसके अंतर्गत रखें। सुसमाचार कॉल जिसका उन्होंने जवाब दिया है। और मैं अनुमान लगा रहा हूँ कि संभवतः 2 तीमुथियुस 4 पद 2 वह पद है जिसका उपयोग समन्वय उपदेशों में सबसे अधिक किया जाता है।

वचन का प्रचार करें, मौसम में और मौसम के बाहर तैयार रहें, इत्यादि इत्यादि। जब मैं सुनता हूँ कि एक समन्वय सेवा होने जा रही है, तो मैं उस श्लोक पर एक उपदेश सुनने की उम्मीद करता हूँ। तो यह टिमोथी पर अंतिम आरोप के इस समग्र अंश का हिस्सा है।

वह चार्ज के भीतर चार्ज है। लेकिन अब हम शब्द के प्रचार के संबंध में तीमुथियुस पर एक स्पष्ट आरोप से आगे बढ़ रहे हैं। अब वह पॉल के साथ अपनी दोस्ती के संबंध में टिमोथी के जीवन और गतिविधियों के बारे में बात कर रहा है।

अपना सर्वश्रेष्ठ करो, वह शब्द है जिसका अनुवाद भी किया जा सकता है, उत्साही बनो, कोई कष्ट न उठाओ, और जल्दी से मेरे पास आने के लिए हर संभव प्रयास करो। मुझे लगता है कि वह रोम में है, जहां भी टिमोथी है, उसे वहां रहने की जरूरत है। देमास ने, जो वहाँ पौलुस की सहायता करता रहा होगा, इस संसार से प्रेम किया, और मुझे छोड़कर थिस्सलुनीके को चला गया है।

हमें और अधिक जानकारी नहीं है, हम बस इतना जानते हैं कि वह सुसमाचार मंत्रालय में शामिल था और अब वह थिस्सलुनीके चला गया है। हम नहीं जानते कि अगर वह विधर्मी बन गया है तो उसे बीमा या अचल संपत्ति बेचनी होगी या नहीं, और बीमा या अचल संपत्ति बेचने में कुछ भी गलत नहीं है, यह बस है, कभी-कभी लोग मंत्रालय छोड़ने का फैसला करते समय वहीं जाते हैं। हम नहीं जानते कि देमास ने पॉल को क्यों छोड़ दिया।

निःसंदेह, यह अच्छी बात नहीं है, लेकिन हम विवरण नहीं जानते हैं। क्रेसेन्स गैलाटिया और टाइटस डेलमेटिया चले गए हैं। और इससे पता चलता है, कि प्रेरितिक कार्य का वितरण जिसके साथ पॉल अभी भी जुड़ा हुआ था, वह अभी भी रोमन दुनिया में सुसमाचार के प्रसार को प्रोत्साहित करने और प्रशासन करने में मदद कर रहा था।

इसलिए, जबकि किसी ने उसे छोड़ दिया था, कुछ लोगों ने उसे छोड़ दिया था, और तीमुथियुस को विरोध का सामना करना पड़ रहा था, ऐसा नहीं है कि वह कह रहा था, ठीक है, हर जगह सुसमाचार का थोक पतन हो गया है। वह देखता है कि यह अभी भी बाहर जा रहा है, यह बिना रगड़ या घर्षण के बाहर नहीं जा रहा है। केवल ल्यूक मेरे साथ है।

यह ल्यूक चिकित्सक है जिसने ल्यूक का सुसमाचार लिखा और प्रेरितों के काम की पुस्तक लिखी। मार्क को ले आओ और उसे अपने साथ ले आओ, क्योंकि वह मेरी सेवा में मेरी सहायता करता है। और कई टिप्पणीकार कहेंगे कि यह जॉन मार्क है जिसने पहली मिशनरी यात्रा पर पॉल और बरनबास को छोड़ दिया था, और फिर जब पॉल और बरनबास ने दूसरी मिशनरी यात्रा शुरू की, तो बरनबास ने कहा, ठीक है, मैं मार्क को अपने साथ ले जाना चाहता हूँ, और मार्क बरनबास का चचेरा भाई था।

और पॉल ने कहा, ठीक है, मेरे शव के ऊपर, मैं उसे नहीं ले जाना चाहता क्योंकि, तुम उस पर भरोसा नहीं कर सकते। और ऐसा लगता है जैसे बरनबास को गुस्सा आ गया, और उसने कहा, ठीक है, मैं तुम्हारे साथ नहीं जा रहा हूँ। और इस प्रकार, बरनबास ने यूहन्ना मरकुस को लिया और वे एक ओर चले गए, और पौलुस सीलास और तीमुथियुस को लेकर दूसरी ओर चला गया।

और आप सोच सकते हैं, ठीक है, यह भयानक है। आरंभिक चर्च में फूट थी। मुझे लगता है कि यह एक व्यक्तित्व संघर्ष था जिसे भगवान ने अपनी महिमा के लिए इस्तेमाल किया क्योंकि अंत में इन पक्षों के बीच सुलह हो गई।

और यहाँ हम देखते हैं कि पॉल के जीवन के अंत में, जॉन मार्क पॉल की सेवा कर रहा है। और इसलिए उन्हें बहाल कर दिया गया है। मैंने तुखिकुस को इफिसुस भेजा।

जब तुम आओ, तो वह लबादा जो मैं त्रोआस में करपुस के पास छोड़ गया था, और अपनी पुस्तकें, विशेषकर चर्मपत्र, ले आना। और अटकलों का कोई अंत नहीं है, जैसे पॉल के शरीर का कांटा क्या था? दर्जनों सिद्धांत हैं। स्कॉल और चर्मपत्र क्या थे, इस बारे में अटकलों का कोई अंत नहीं है।

हम नहीं जानते कि वे क्या थे. शायद वे पवित्र ग्रंथ थे। शायद वे पुराने नियम थे।

शायद वे नये नियम थे। मैं आपको इसके बारे में अनुमान लगाने दूँगा। लेकिन मेरे लिए दिलचस्प बात यह है कि मौत की सज़ा पर पॉल अभी भी पढ़ना चाहता है।

वह सीखना चाहता है. वह वचन के उस मंत्रालय में उत्पादक बनना चाहता है जो बचपन से ही उसके जीवन का हिस्सा रहा है। क्योंकि प्रेरितों के काम 22.3 की भाषा है, वह यरूशलेम में पला-बढ़ा था और वह उस समय के शासक रब्बी शिक्षक गमलीएल का छात्र था।

और इस प्रकार, उसे बहुत ही उन्नत रब्बीनिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। वह स्पष्ट रूप से प्रतिभाशाली था। और अपने जीवन के अंत में, वह कह सकता था, मैं बूढ़ा हो गया हूँ, मैं थक गया हूँ, लोगों ने मुझे छोड़ दिया है, मैं हतोत्साहित हूँ, भगवान कहां है, मैंने हार मान ली है, मैं एक ब्रेक का हकदार हूँ।

इनमें से कुछ भी नहीं. वह अपने जूतों के साथ मरने जा रहा है। और यह मेरे जैसे व्यक्ति के लिए एक प्रोत्साहन है, जो जीवन के पुराने पड़ाव पर है।

बस एक प्रोत्साहन है कि जीवन में भगवान हमारे साथ देर तक काम नहीं करते। और जब तक हम प्रार्थना कर सकते हैं, हम ईश्वर के साथ संवाद कर सकते हैं और हम ईश्वर के राज्य में अनुग्रह के साधन बन सकते हैं। और पॉल प्रार्थना करने में सक्षम होने से बहुत दूर है।

वह अभी भी पढ़ सकता है और वह अभी भी लिख सकता है, वह अभी भी हुक्म दे सकता है, वह अभी भी बढ़ सकता है। और यह अंत तक वफ़ादारी का एक बहुत अच्छा उदाहरण है। धातुकर्मी अलेक्जेंडर ने मुझे बहुत हानि पहुँचाई।

उसने जो कुछ किया है उसका बदला यहोवा उसे देगा। तुम्हें भी उससे सावधान रहना चाहिए क्योंकि उसने हमारी बात का कड़ा विरोध किया है। क्या यह वही 1 तीमुथियुस 1 का सिकंदर है? हमें पता नहीं।

लेकिन हम जो जानते हैं वह यह है कि पॉल तीमुथियुस को सावधान रहने, सावधान रहने के लिए कहता है, लेकिन वह यह नहीं कहता कि संभल जाओ। वह तीमुथियुस को आग से आग से लड़ने या बुराई का बदला बुराई से देने के बारे में सलाह नहीं देता। वह बहुत सुसंगत है, इसे भगवान के हाथों में छोड़ दें, उसे आपका फायदा न उठाने दें, लेकिन अगर बदला लेने की जरूरत है तो भगवान को बदला लेने दें।

कुछ परिस्थितियाँ हैं, हमें उन्हें भगवान के हाथों में छोड़ना होगा। मेरे पहले बचाव में, कोई भी मेरे समर्थन में नहीं आया। तो, जाहिर तौर पर रोम की अदालत में उसकी सुनवाई हुई और सभी ने उसका साथ छोड़ दिया।

क्या ल्यूक ने भी उसे छोड़ दिया? मुझे नहीं पता। शायद वह बोल रहे हैं, मैंने सोचा था कि वे सभी लोग मेरे समर्थन में नहीं आएंगे। और यह सिर्फ मैं और ल्यूक थे।

हमें पता नहीं। लेकिन इस रवैये पर गौर करें जो बिल्कुल क्रूस पर यीशु की तरह है। पिताजी उन्हें माफ कर दो, वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं।

पौलुस कहता है, यह उन पर दोष न लगाया जाए। यह बहुत उदार है और यह बहुत समझदार है क्योंकि धातुकर्मी अलेक्जेंडर के संबंध में, वह उसे सौंप देता है और कहता है कि प्रभु उसे बदला देगा। लेकिन यहाँ वह यह नहीं कहता कि प्रभु इन लोगों को बदला देने जा रहा है।

मुझे लगता है कि वह शरीर की कमजोरी को समझता है। वह शायद यीशु के विश्वासघात और यीशु के परीक्षण और सभी शिष्यों के भाग जाने के बारे में भी सोच सकता है। और ऐसा इसलिए नहीं था क्योंकि वे बुरे लोग थे।

वे कमजोर और पापी लोग थे जो वास्तव में उस स्थिति में सीधे नहीं देख पाते थे। और यीशु ने उन्हें माफ कर दिया और बाद में उन्हें पूर्ण संगति में बहाल कर दिया। खैर, पॉल यहां मसीह की तरह व्यवहार कर रहा है और इस तथ्य पर नाराज नहीं हो रहा है कि वह इस परीक्षण में एक तरह से हतोत्साहित और शुष्क था।

उसके उदार होने का कारण यह है कि श्लोक 17 में, प्रभु मेरे पक्ष में खड़े रहे और मुझे शक्ति दी। मुझे नहीं पता कि आपको कभी भगवान से दर्शन मिले हैं या नहीं, लेकिन हममें से कई लोगों को दर्शन हुए हैं। हमारे जीवन के मौसम या हमारे जीवन के प्रसंग जब हमने महसूस किया कि ईश्वर की स्पष्ट उपस्थिति हमें निर्देशित कर रही है या हमें प्रोत्साहित कर रही है या हमें पुनर्स्थापित कर रही है।

और पॉल यहां इसका वर्णन करता है। ताकि मेरे द्वारा संदेश पूरी तरह से प्रचारित किया जा सके और सभी अन्यजाति इसे सुन सकें। यहाँ चित्र यह है कि, पॉल पर मुकदमा चलाया गया और वे कहेंगे, ठीक है, ये आरोप हैं, आप क्या कहते हैं? और पॉल, उस स्थिति में, कहेगा, ठीक है, यही कारण है कि मैं यहाँ हूँ।

मैं यहां यीशु के कारण हूँ, जिन्हें मैं मसीहा मानता हूँ। और वह यरूशलेम में एक पीढ़ी पहले, तीस साल पहले, तैंतीस साल पहले, जो भी हो, मर गया। और वह मृतकों में से जी उठा और वह सभी का प्रभु है।

और वह हर जगह सभी लोगों को उसकी ओर आने और बचाए जाने के लिए बुला रहा है। ओह, ठीक है, ठीक है, यह आपके विरुद्ध आरोपों के अनुरूप है। और फिर शायद कोई अभियोजक रहा होगा, जो वहां था और वह शायद आरोपों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करेगा और और अधिक आरोप लगाएगा।

और फिर पॉल, मैं अनुमान लगा रहा हूँ, उसका अपना था, वह यहां अपना बचाव स्वयं कर रहा था। लेकिन उस सुनवाई में उन्हें दोषी नहीं ठहराया गया। और हम देख सकते हैं कि उसे उम्मीद थी कि शेर उसे खा जायेंगे।

परंपरा यह है कि उसका सिर कलम कर दिया गया था। और यदि उसका सिर काट दिया जाता तो यह एक तरह का सम्मान होता। क्योंकि रोमन नागरिकों को सिर काटने की सजा दी जाती थी।

रोमन साम्राज्य में सबसे बुरी सज़ा सूली पर चढ़ाना थी। लेकिन कुलीन रोमनों को मारना पड़ा, और बहुत सारे अच्छे लोग थे जो मारे गए क्योंकि सीज़र अक्सर बहुत भ्रष्ट था। और वह लोगों को सिर्फ इसलिए मार देता था क्योंकि, उसे उनसे खतरा महसूस होता था या वह उन्हें पसंद नहीं करता था।

मेरा मतलब है, नीरो ने सभी प्रकार के लोगों को सम्मानजनक और अपमानजनक तरीकों से मार डाला। लेकिन यह मरने का एक सम्मानजनक तरीका था। इस बिंदु पर, पॉल एक सम्मानजनक मौत मरने की उम्मीद नहीं कर रहा है।

ऐसा नहीं सोचा गया था कि शेरों के सामने फेंक दिया जाना, ओह, यह मरने का एक बढ़िया तरीका है। यह मरने का एक कठिन तरीका है। लेकिन वह इसके लिए तैयार थे और वह इससे बच गये।

और वह आगे बेहतर चीजों को लेकर आश्चस्त हैं। प्रभु मुझे हर बुरे हमले से बचाएंगे, चाहे वह किसी भी रूप में हो। प्रभु मुझे बचाएंगे और वह मुझे सुरक्षित रूप से अपने स्वर्गीय राज्य में ले आएंगे। उसकी महिमा युगानुयुग होती रहे। तथास्तु।

इसलिए, वह भगवान पर आरोप नहीं लगा रहा है।

वह निराश नहीं है। ईश्वर कहीं नहीं है। वह ईश्वर के उद्धार के प्रति आश्चस्त है, भले ही उसका शरीर त्याग दिया गया हो।

इस खंड में, हम देखते हैं कि पॉल मानवीय साहचर्य की सुविधा और आवश्यकता को जानता था। वह कहता है, तीमुथियुस, शीघ्र मेरे पास आओ। ये लाओ, वो लाओ।

हमें दोस्तों की जरूरत है। हमें दूसरे लोगों की जरूरत है। और यह कोई बुरी बात नहीं है।

यीशु ऐसे ही थे। उसके पास 70 थे, उसके पास 12 थे, उसके पास 3 थे। और जिस रात उसके साथ विश्वासघात किया गया, जब वह गेथसमेन में गया, तो वह तीनों को अपने साथ ले गया। वह पीटर, जेम्स और जॉन को दूसरों से कुछ दूरी पर अपने साथ ले गया।

और उस ने कहा, जागते रहो, और मेरे साथ प्रार्थना करो। वे सो गये। उसे अकेले ही आगे बढ़ना था।

यह केवल यीशु ही था जिसने 12 और चर्च को बचाया। यह यीशु नहीं था, बल्कि कोई नायक था जिसने उसकी मदद की। लेकिन हम देखते हैं कि परमेश्वर का पुत्र भी मानवीय साहचर्य के आराम के लिए तरसता था।

और यह सुसमाचार के महान प्रावधानों में से एक है कि हमें ऐसे साथी मिलते हैं जो हमारे लिए प्रार्थना करते हैं। और इस युग में, शायद हम एक-दूसरे को ईमेल करते हैं। और हम साथ-साथ जिंदगी जी रहे हैं।

और कभी-कभी हम महाद्वीपों द्वारा अलग हो जाते हैं। अन्य समय में, हम एक ही कमरे में होते हैं। और हम एक ही स्टाफ में सेवा दे रहे हैं।

लेकिन, पौलुस यही प्रतिबिंबित कर रहा है, पद 9 से आरंभ करते हुए, इन सभी नामों और इन स्थानों और इन गतिविधियों के साथ, और विशेष रूप से तीमुथियुस के साथ उसके संबंध, मानव साहचर्य। साथ ही विश्वासघात की हकीकत भी। यहूदा ने यीशु को धोखा दिया।

देमास ने पौलुस को धोखा दिया। यह एक सदमा हो सकता है। यह एक झटका हो सकता है।

लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते जाते हैं, एक तरह से यह हमेशा कड़वा और दुर्भाग्यपूर्ण होता है जब लोग हमसे दूर हो जाते हैं। लेकिन ऐसा होता है। मंत्रालय मित्र के साथ-साथ शत्रु भी पैदा करता है।

श्लोक 14 और 15. सिकंदर ने मुझे बहुत नुकसान पहुँचाया। इसका तात्पर्य यह है कि पॉल, कुछ हद तक, सिकंदर पर निर्भर था, और उसने सिकंदर पर भरोसा किया था।

उनका पॉल के प्रेरितिक मंत्रालय से किसी प्रकार का प्रासंगिक संबंध था। और क्या हुआ? अलेक्जेंडर ने किसी तरह उसे चालू कर दिया। और पॉल के पास इसे भगवान के हाथों में छोड़ने की कृपा है।

अंततः, प्रभु जीवन और मृत्यु में आराम और परिप्रेक्ष्य देते हैं। वह श्लोक 16 से 18 तक है। वह जीवन-मृत्यु की स्थिति में है।

वे छंद एक स्वर्गीय दृष्टि से भरे हुए हैं जो शेर के दाँत तक किसी भी चीज़ से इनकार नहीं करता है। लेकिन यह मुक्ति का दर्शन है ताकि अंत में पॉल विलाप न करे। वह निराश नहीं है।

वह आरोप नहीं लगा रहा है। लेकिन वह उस स्थिति में भगवान की महिमा का वर्णन कर रहा है। वह वैसे ही मर रहा है जैसे वह जीया था।

इब्रानियों की बात है कि लोगों की इंद्रियों को अच्छे और बुरे के बीच अंतर करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। और पॉल ने एक ऐसा जीवन जीया था जिसमें उसे यह जानने के लिए प्रशिक्षित किया गया था कि क्या सही था, क्या ईश्वरीय था, क्या अच्छा था, क्या उत्पादक नहीं था। और, छोटी-छोटी चीज़ों में दिन-ब-दिन वफादार रहना, जब अंत में बड़ी चीज़ की बात आती है, तो वह नदी जिसे हम सभी को पार करना है, उसे गति मिल गई है और उसे चरित्र और भक्ति की आदतें मिल गई हैं ताकि वह अभी भी सच्चाई देख सके भगवान का उद्धार.

और मैं अनुमान लगा रहा हूँ कि, वह चॉपिंग ब्लॉक या कोलोसियम और शेर, जो बहुत बड़े दिख सकते हैं यदि आप वहाँ बैठे हैं और आप जेल में हैं और आप सोच रहे हैं, क्या दरवाजे पर अगली दस्तक होने वाली है मेरे लिए होना? मेरा मतलब है, आपको उन चीज़ों के बारे में सोचना होगा। लेकिन वह, जैसा कि वह इस पत्र को लिखता है, शायद ल्यूक को, वह भगवान के बारे में सोच रहा है। वह ईश्वर के प्रति इस दृष्टिकोण से परिपूर्ण है।

ओनेसिफोरस के घराने में सिल्ला और अक्विला के लोभ से इरास्तुस कुरिन्थ में रह गया, और मैं ने ट्रौफिमस को मिलेतुस में बीमार छोड़ दिया। यह सबसे अंतिम खंड है, अंतिम अभिवादन। सर्दियों से पहले यहां पहुंचने की पूरी कोशिश करें।

तीमुथियुस के आने की एक और विनती है। यूबुलस और पुडेन्स, लिनुस, क्लौडिया और सभी भाइयों और बहनों का तुम्हें नमस्कार।

इसलिए, वह अभी भी इन लोगों के बारे में जानता है, भले ही इनमें से कोई भी व्यक्ति उसके बचाव में नहीं आया है।

प्रभु आपकी आत्मा के साथ रहें, यही आप अद्वितीय हैं। आप सभी पर कृपा बनी रहे, यह बहुवचन है। और 2 तीमुथियुस 4 के अंत में यही एकमात्र बहुवचन है। हम यह देखकर निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि प्रभावी मंत्रालय सार्थक नेटवर्किंग पर निर्भर करता है।

मुझे लगता है कि पॉल के इतने प्रभावी, इतने लचीले और इतने दृढ़ रहने का एक कारण यह था कि वह एक सामाजिक नेटवर्क में था। वह अपने डर और आशंकाओं में अलग-थलग नहीं पड़ा। उनका जन्म इस भावना के साथ हुआ था कि दुनिया में भगवान का काम चल रहा है क्योंकि भगवान के सभी लोग जेल में नहीं थे और सभी शेरों के पास नहीं जा रहे थे।

वह देख सकता था कि परमेश्वर का कार्य जारी रहेगा और इससे उसे आशा मिली। दूसरे, पॉल ने दूसरों के प्रति अपना सम्मान नहीं खोया। मेरा मतलब है, यह ऐसा है जैसे क्रूस पर यीशु जॉन को अपनी माँ की सराहना कर रहा हो या उन लोगों के लिए प्रार्थना कर रहा हो जो उसे क्रूस पर चढ़ा रहे थे, हे पिता उन्हें क्षमा कर दो।

उसने दूसरों के प्रति अपना सम्मान नहीं खोया। उन्होंने परमेश्वर के कार्य के भविष्य में अपना विश्वास नहीं खोया। आप मसीह के शरीर के सदस्य हैं।

वे सुसमाचार के कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं जिसे स्थापित करने में पॉल के मंत्रालय ने मदद की थी। और मृत्यु के सामने भी, वह इस बात पर अपना विश्वास नहीं खोता है कि भगवान दुनिया में क्या कर रहा है। तीसरा, भगवान और उनकी कृपा अंधकारमय घड़ी में प्रकाश ला सकती है।

प्रभु आपकी आत्मा के साथ रहें। वह उदास हो सकता है, खासकर अगर उसे यह मिलता है और वह इसे पढ़ता है और सुनता है कि पॉल को फाँसी दे दी गई है। हम नहीं जानते कि वह पॉल को राहत देने के लिए समय पर वहाँ पहुंचा या नहीं और यह कितना खोखला एहसास होगा और

अगर उसे वहां लबादा नहीं मिल सका या अगर वह आता है और पॉल अभी-अभी आया है तो दुख की कितनी गहरी खाई होगी। निष्पादित।

ऐसी संभावनाएँ हैं जिनकी हम कल्पना कर सकते हैं, जिन्हें हम खारिज नहीं कर सकते हैं और इसीलिए पॉल कहते हैं कि प्रभु आपकी आत्मा के साथ रहें। भविष्य में कुछ भी हो सकता है, यह भगवान के हाथ में है। वे अच्छे हाथ हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि परिस्थितियाँ आसान होंगी।

इसलिए, वह उसके लिए प्रभु की उसी उपस्थिति की कामना करता है जिसकी उपस्थिति में वह फल-फूल रहा है। और फिर वह तीमुथियुस की संपूर्ण कलीसियाई व्यवस्था के लिए अनुग्रह की कामना करता है। सभी के लिए अनुग्रह, तीमुथियुस, कि आप मसीह के शरीर के भीतर जुड़े हुए हैं।

हम 2 तीमुथियुस को इस तरह की मुख्य बातों के साथ सारांशित कर सकते हैं और सबसे पहले, हम खुद को पॉल की कैद और तीमुथियुस पर उसके आरोपों की याद दिला सकते हैं। तब हम देख सकते हैं कि जिन सिद्धांतों को वह सबसे स्पष्टता और दृढ़ता से छूता है वे सबसे पहले ईश्वर हैं। पत्र में कोई घबराहट नहीं है, कोई उदास आत्म-अवशोषण नहीं है।

वह प्रभु के बारे में, ईश्वर के बारे में, क्राइस्ट, क्राइस्ट जीसस के बारे में बात करना जारी रखता है। और फिर ऐसे शब्द जो सीधे उसके साथ संवाद से संबंधित हैं जैसे विश्वास, शब्द और सत्य। ये सभी शब्द ईश्वर में विश्वास और ईश्वर के सम्मान और ईश्वर में संतुष्टि और ईश्वर की स्तुति के प्रति प्रतिबद्धता की ओर इशारा करते हैं।

तो यह 2 तीमुथियुस से एक बड़ी सीख है, 1 तीमुथियुस की तरह, ईश्वर की पर्याप्तता और ईश्वर की सुंदरता और ईश्वर की परिपूर्णता और अपने प्राणियों के लिए खुद को खोलने में उसकी उदारता है जो उसकी रचना के शिखर पर हैं और उनके स्थिति इतनी विद्रोही और इतनी स्वच्छंद है। लेकिन उस स्वच्छंदता की भरपाई हमारे उद्धारकर्ता द्वारा की जाती है और इसलिए इस दुनिया में ईश्वर के साथ एक संवाद है जो कि हमारे सामने आने वाले गौरवशाली सिद्ध संवाद का एक अग्रदूत मात्र है। उसी समय जब हम ईश्वर के बारे में इतना गौरवशाली सुनते हैं, हम मसीह की सेवा में कष्ट सहने के बारे में भी बहुत कुछ सुनते हैं।

और 2 तीमुथियुस के प्रत्येक अध्याय में तीमुथियुस का उल्लेख किया गया है और उसे कष्ट के लिए तैयार रहने का आग्रह किया गया है। और यह कोई रुग्ण चिंता नहीं है, यह निराशावादी प्रक्षेपण नहीं है, ओह, आगे विनाश और निराशा के अलावा कुछ भी नहीं है। यह शिष्यत्व की लागत की मान्यता है, खासकर यदि आप कई सेटिंग्स में एक देहाती शिक्षक हैं।

मैं इसे उत्पीड़न पर वर्तमान साहित्य में बार-बार देखता हूँ। चीन में ईसाई एक समस्या हैं। इस्लामी क्षेत्र में ईसाई एक समस्या हैं।

ईसाई हर जगह एक समस्या हैं। आप ईसाइयों को कैसे बंद करते हैं? ठीक है, जिस तरह से वे संगठित हैं, जिस तरह से आप ईसाइयों को बंद कर देते हैं, आप उनके नेताओं के पीछे जाते हैं।

और यहां बस एक तरफ, और आप इस पर मुझसे सहमत हो सकते हैं या नहीं, लेकिन मेरे लिए, यह कई कारणों में से एक है, व्यावहारिक रूप से कहें तो, मैं महिलाओं को पादरी के पद पर पदोन्नत होते देखना पसंद नहीं करता।

क्योंकि जैसे-जैसे चर्च उन क्षेत्रों में बढ़ता है, जहां लोग चर्च को नहीं चाहते हैं, जब चर्च पर कार्रवाई की जाती है, तो सबसे पहले जिन लोगों पर क्रूरता बरती जाएगी, वे नेता होंगे। और स्पष्ट रूप से, मैं अपनी बहनों को आस्था में नहीं चाहता, मैं अपनी बेटियों को नहीं चाहता, मैं अपनी पत्नी को नहीं चाहता, वह बहुत सारी ईसाई सेवा करती है, मैं नहीं चाहता कि वह वह व्यक्ति बने जिसे मिलता है जेल में डाल दिया जाता है और यातनाएं झेलनी पड़ती हैं। यह किसी के लिए भी बुरा है, लेकिन मुझे लगता है कि चर्च की देहाती सुरक्षा का हिस्सा यह है कि हम महिलाओं की रक्षा करते हैं, हम बच्चों की रक्षा करते हैं, हम अनाथों की रक्षा करते हैं, हम उन लोगों की रक्षा करते हैं जो सुरक्षा करने में कम सक्षम हैं, और बाइबिल में ऐसा कुछ भी नहीं है जो हमें प्रोत्साहित करता हो जिन लोगों को प्राधिकारियों द्वारा नुकसान पहुंचाया जा सकता है, उन्हें केवल निमित्त मात्र के लिए उन प्राधिकारियों के समक्ष उजागर करना, ठीक है, आपको ईसाई होने के लिए कष्ट सहना होगा।

जब यीशु को गिरफ्तार किया गया, तो उसने कहा कि इन लोगों को छोड़ दो, मैं ही वह हूँ जिसके पीछे तुम पड़े हो, और ईश्वर की कृपा से, उन्होंने ऐसा किया। यीशु ने नियुक्ति नहीं की, उन्हें कई महिलाओं ने मदद की, उन्होंने महिलाओं के मुद्दे को उठाया और आगे बढ़ाया, लेकिन उन्होंने उन्हें ऐसे लोग नहीं बनाया जो चर्च के हमले की पहली पंक्ति के संपर्क में आते। और हम संस्कृति के बारे में बहस कर सकते हैं और ऐसा क्यों है और क्या हम आज ऐसा कर सकते हैं, और मैं बस भगवान का शुक्र है कि ऐसा कोई विचार नहीं है कि यदि चर्च एक समस्या है तो सबसे पहले हमें जो करना चाहिए वह सभी ईसाइयों को मार देना चाहिए।

यह एक भीड़ की प्रतिक्रिया हो सकती है, लेकिन आम तौर पर ऐसी रणनीतियाँ होती हैं जैसे भारत में या नाइजीरिया में, या चीन की तरह, उच्च अधिकारियों द्वारा रणनीतियाँ होती हैं, हम ईसाइयों से कैसे छुटकारा पा सकते हैं? विशेष रूप से पादरी इन परिदृश्यों में गिरफ्तारी, दमन और दमन के संपर्क में आते हैं और यह प्रारंभिक चर्च विकास का एक बड़ा हिस्सा है और यह दो तरीकों से एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। नंबर एक, दुनिया भर में उत्पीड़न हो रहा है और चर्च को इसके लिए लगातार तैयार रहने की जरूरत है। नंबर दो, दुनिया के कई हिस्सों में चर्च इतना बड़ा खतरा नहीं है कि कोई प्रतिरोध किया जा सके क्योंकि चर्च दुनिया के अनुरूप है और लोग अधिक ईसाई नहीं बनना चाहते क्योंकि उन्हें एहसास है, ओह, यह हो रहा है मुझे खर्च करने के लिए।

और आज दुनिया भर में शहीदों का खून चर्च के बाकी लोगों के लिए शर्म की बात है जो आलसी और अकर्मण्य हैं और खुद को दांव पर लगाने को तैयार नहीं हैं क्योंकि उन्हें डर है कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। और बहुत से लोगों के लिए, बात यहीं तक पहुंचती है, वे चर्च को पैसा भी नहीं देना चाहते हैं, उन्हें पैसा मिल गया है, लेकिन जब चर्च के मंत्रालय की बात आती है तो वे कंजूस हो जाते हैं। वे विभिन्न तरीकों से चर्च और दुनिया के अन्य हिस्सों में बहुत सी पीड़ाओं को दूर कर सकते थे, लेकिन वे ऐसा भी नहीं करते क्योंकि वे अपनी छुट्टियों के पैसे चाहते हैं और

वे अपने जुए के पैसे चाहते हैं और वे अपने पीने के पैसे चाहते हैं और वे चाहते हैं उनकी अचल संपत्ति, वे चाहते हैं कि उनका पैसा वही करे जो वे चाहते हैं।

वे इसे परमेश्वर के अधीन नहीं करना चाहते। यह पीड़ा से बचने का एक रूप है। अपना मंत्रालय पूरा करें, पॉल तीमुथियुस से कहता है और पॉल हम सभी से कहता है, और अगर इससे दुख होता है, तो शायद यह एक संकेत है कि आप कुछ सही कर रहे हैं।

एक अन्य फोकस धर्मग्रंथों और उनके प्रेरितिक अनुप्रयोग पर है। यीशु ने धर्मग्रंथों से शिक्षा दी, उन्होंने धर्मग्रंथों को मूर्त रूप दिया। रोमन और गैलाटियन की तरह पॉल के लेखन भी धर्मग्रंथों पर बहुत अधिक प्रभाव डालते हैं।

2 तीमुथियुस 3:15, और 16 धर्मग्रंथों की पवित्रता, ईश्वर से उनकी निकटता, संतों को सुसज्जित करने की उनकी आवश्यकता की पुष्टि करते हैं, और फिर ध्वनि शब्दों के पैटर्न जैसे कई अन्य कथन, ईश्वर का शब्द बाध्य नहीं है, शब्द सत्य का, वचन का उपदेश करो। देहाती सेवा उचित रूप से भगवान के लोगों और दुनिया को आत्मा द्वारा दिए गए धर्मग्रंथों की सेवा करने पर केंद्रित है, और भगवान के लोग दुनिया के लिए सत्य और धर्मग्रंथों की मुक्ति का माध्यम हैं। और वैसे, यदि आप यह व्याख्यान देख रहे हैं, तो मैं इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि आप उस शब्द का ज्ञान खोज रहे हैं जो आपको ईश्वर की सेवा में बढ़ने में मदद करेगा, और यह बहुत अच्छी बात है।

और यह अपने आप में दर्शाता है कि आप प्रेरित पॉल की भावना के साथ तालमेल बिठा रहे हैं जो हमें धर्मग्रंथों में लगातार नई ताज़गी और दिशा के लिए प्रेरित करता है। फिर अंततः आध्यात्मिक कृपा। पूरे पत्र में, हमें मसीह में परमेश्वर को जानने के लाभों के संकेत मिलते हैं।

आप जानते हैं कि यह एक आध्यात्मिक अनुग्रह है। हम ईश्वर की कृपा के बिना ईश्वर को नहीं जान सकते। इस पत्र में हम ईश्वर के प्रति कृतज्ञता देखते हैं।

जब आप परमेश्वर की इच्छा पूरी करने के लिए मृत्युदंड पर हैं तो आप परमेश्वर के प्रति कृतज्ञता कैसे व्यक्त कर सकते हैं? खैर, कृपा. पॉल के मामले में, आध्यात्मिक विरासत की भावना सदियों से चली आ रही है। मेरे मन में अपने एक दादाजी के प्रति कृतज्ञता का भाव है।

मेरे एक बहुत ही नास्तिक दादा थे, जिनसे मैं बहुत प्यार करता था, और उन्होंने मुझे मछली पकड़ना सिखाया था, और वह मेरे लिए पिता के समान थे, लेकिन वह एक नास्तिक व्यक्ति हैं। लेकिन मेरे गरीब दादाजी, जो काम करते थे, खुद घोड़ों और सूअरों के साथ खेत में काम करते थे, वह एक बैपटिस्ट डीकन थे, और वह आठवीं कक्षा में गए थे। वह स्कूल में बहुत दूर नहीं है।

उन्होंने कभी भी कहीं यात्रा नहीं की, लेकिन उन्होंने प्रार्थना की, और अपने पुराने गठिया से पीड़ित हाथ के साथ उन्होंने अपनी मंडली में गायन का नेतृत्व किया, और आखिरकार उन्होंने इसे पूरा किया। वह अपने चर्च में एक उपयाजक था, और मुझे पता है कि उसने अपने पोते-पोतियों के लिए प्रार्थना की थी, और मुझे लगता है कि मानवीय रूप से कहें तो यही एक कारण है कि भगवान ने मेरे पाप और मेरे उद्धारकर्ता के प्रति मेरी आंखें खोलीं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मेरे पास एक विरासत थी, एक बहुत ही पतली विरासत जो मुझे दिखती है, लेकिन, जब लोग प्रार्थना

में उसके पास आते हैं तो भगवान को बहुत कुछ करने में ज्यादा समय नहीं लगता है, और उन्होंने मेरे दादाजी की प्रार्थनाओं को आशीर्वाद दिया, और मैं इसके लिए आभारी हूँ, और तीमुथियुस अपनी विरासत के लिए आभारी हो सकता है, और पॉल अपनी विरासत के लिए आभारी हो सकता है।

हम आध्यात्मिक अनुग्रह के बारे में बात कर रहे हैं। तीमुथियुस के प्रति पॉल का स्नेह, उनके पास जो बंधन था, वह एक आध्यात्मिक अनुग्रह है। लोगों के लिए सुसमाचार में प्यार, ऐसी दोस्ती में जो गहरी और समृद्ध है क्योंकि हमने प्रभु की सेवा की है, और शायद हमने थोड़ा सा कष्ट सहा है, यीशु की तुलना में कुछ भी नहीं, लेकिन हमने सुसमाचार के लिए थोड़ा सा कष्ट सहा है।

यह मानवीय संबंधों को गहरा और मधुर बनाता है। वह विश्वास और प्रेम है जो मसीह यीशु में है। यह वह समझ है जो प्रभु देता है।

प्रभु तुम्हें समझ और सब कुछ देगा। क्या यह अद्भुत नहीं है जब हमें ऐसा दृष्टिकोण मिलता है जो हमारे दिलों को सुकून देता है? वफ़ादार सेवा में दैवीय अनुमोदन का आश्वासन है। युवा जोश से भागने की आजादी है।

कभी-कभी वे लोगों को फँसाते हैं, परन्तु पौलुस तीमुथियुस से कहता है, भाग जाओ क्योंकि वह भाग सकता है। यह एक आध्यात्मिक अनुग्रह है, और फिर उसके पास उन लोगों के साथ धार्मिकता, विश्वास, प्रेम, शालोम या शांति को आगे बढ़ाने की कृपा है जो शुद्ध हृदय से भगवान को बुलाते हैं। यदि आप इसे पढ़ते हैं तो यह चर्च की भाषा की तरह लगती है, लेकिन यह चर्च की भाषा नहीं है।

यह इस युवक के जीवन में ईश्वर की कृपा के कार्य का बहुत गहरा और मार्मिक संकेतक है। फिर धार्मिकता का मुकुट है, और रहस्योद्घाटन में भगवान के सिंहासन के चारों ओर संतों की यह शानदार तस्वीर है, और हम इसके बारे में एक भजन में गाते हैं, और वह भजन पवित्र, पवित्र, पवित्र है, और छंदों में से एक में यह कहा गया है, अपने सुनहरे मुकुटों को नीचे गिराते हुए, उसी समुद्र के चारों ओर, क्रिस्टल समुद्र, बस इतना ही। क्रिस्टल समुद्र के चारों ओर अपने सुनहरे मुकुट उतारते हुए।

धार्मिकता का मुकुट अंत में हमारी महिमा के लिए नहीं है, यह एक पुरस्कार है, लेकिन हर पुरस्कार जो हमें मसीह के माध्यम से मिलता है जब हम भगवान के सामने खड़े होते हैं, हम इसे भगवान को अर्पित करेंगे, और वह हमारी शाश्वत महिमा का हिस्सा होगा। कि हम ईश्वर की उत्कृष्टता, सुंदरता और पूर्णता का आनंद ले पाएंगे, जो कि हमारे मानवीय अनुभव से बहुत परे है, यह कल्पना करना कि अनंत काल इसकी पूर्णता को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। तो, हम समापन में कह सकते हैं कि दूसरा तीमुथियुस, इसे ठीक से समझो, हम देखते हैं कि वहां क्या है, हम उसका निरीक्षण करते हैं, और फिर हम उससे निष्कर्ष निकालते हैं, यह सच है कि वहां क्या है, अब हम उससे क्या प्राप्त कर सकते हैं, दूसरा तीमुथियुस पवित्रशास्त्र के सबसे मधुर शब्दों में से एक है। जीवन के उस वादे की गवाही जो अभी और आने वाले युग में मसीह यीशु में है। इस व्याख्यान में हमारे साथ दूसरे टिमोथी में अपना समय देने के लिए धन्यवाद।

और हम टाइटस की पुस्तक के अगले व्याख्यान की प्रतीक्षा करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट डब्ल्यू. यारब्रॉ हैं, जो देहाती धर्मपत्रों, देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए अपोस्टोलिक निर्देश, सत्र 11, 2 टिमोथी 4 पर अपने शिक्षण में हैं।